HD–05

June – Examination 2022

B.A. (Part III) Examination

HINDI LITERATURE

आधुनिक काव्य

Paper : HD-05

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **4×3½=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 3½ अंक का है।

1. (i) किन्हीं **चार** लम्बी कविताओं के नाम लिखिए।

(ii) 'परिवर्तन कविता' का मूल भाव अपने शब्दों में लिखिए।

(iii) 'ब्रह्मराक्षस' कविता के रचयिता का नाम लिखिए।

(iv) अज्ञेय की प्रसिद्ध लम्बी कविता का नाम लिखिए।

(v) 'महाप्रस्थान' खण्डकाव्य की कथा का आधार बताते हुए इसके मुख्य पात्र का नाम लिखिए।

(vi) 'दो चट्टानें' के रचनाकार का नाम बताते हुए मूल भाव लिखिए।

(vii) 'कुआनो नदी' सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के किस काव्य संग्रह में संकलित है ?

(viii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की **तीन** रचनाओं के नाम लिखिए।

खण्ड—ब **4×14=56**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का है।

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

इतिहास,

खड्ग से नहीं

मानवीय उदात्तता से लिखा जाना चाहिए।

क्या होगा

इतिहास का इतना दास बनाकर कि

वह राजभित्तियों पर चित्रित तथा

शिलालेखों पर उत्कीर्णित

हमारी चारण-गाथा लगे

और जीवन्तता के अभाव में

उन चित्रों, शिलालेखों को

काल

अपने में लीन कर दे

इतिहास हीन कर दे।

3. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

प्रवाहित कर दीवारों पर

उदित होता चंद

व्रण पर बाँध देता

श्वेत-धौली पट्टियाँ

उद्विग्न भालों पर

सितारे आसमानी छोर पर फैले हुए

अनगिन दशमलव से

दशमलव-बिन्दुओं के सर्वत्र

पसरे हुए उलझे गणित मैदान में

मारा गया, वह काम आया,

और सब पसरा पड़ा है .....

वक्ष-बाँहें खुली फैली

एक शोधक की।

4. 'लम्बी कविता' की विशेषताएँ बताते हुए किन्हीं **पाँच** लम्बी कविताओं का परिचय दीजिए।

5. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

तुम नृशंस नृप-से जगती पर चढ़ अनियन्त्रित
करते हो संसृति को उत्पीड़ित पद मर्दित
नग्न नगर कर, भग्न भवन प्रतिमाएँ खण्डित
हर लेते हो विभव, कला-कौशल चिर संचित!
आधि, व्याधि, बहुवृष्टि, वात उत्पात, अमंगल
बह्नि, बाढ़, भूकम्प-तुम्हारे विपुल सैन्यदल
अहे ! निरंकुश पदाघात से जिनके विह्वल
हिल हिल उठता है टल-मल
पद-दलित धरा-तल।

6. 'सरोज स्मृति' छायावादी शैली की रचना है। पक्ष-विपक्ष में मत लिखिए।

7. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

नाखून दिन पर दिन बढ़ते जा रहे हैं
और जमीन उसी अनुपात में बंजर होती जा रही है।
और नदी हर दिल में उसी रफ्तार से शांत
हर विवशता का उपहास-सा करती।
अभी एक डॉगर बहुता हुआ निकल गया
अभी एक आदमी बहता हुआ चला जायेगा।
जिसकी लाश पर कौए बैठे होंगे
जिन्हें मैं अक्सर दिल्ली की इन सड़कों पर
उड़ता हुआ देखता हूँ
शायद ये हंस हों ?
मेरी निगाह कुछ कमजोर हो गयी है।

8. हरिवंश राय बच्चन की लम्बी कविता 'दो चट्टानें' के भावपक्ष एवं कलापक्ष पर विचार कीजिए।

9. ''दु:ख ही जीवन की कथा रही क्या कहूँ आज जो नहीं कही।'' पंक्तियों में प्रस्तुत दु:ख स्वयं निराला के जीवन का है या सरोज के निजी जीवन का। तर्क देते हुए अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।